**गोवा विश्वविद्यालय**

**शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला**

**हिंदी अध्ययन शाखा**

**कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी**

**पाठ्यक्रम: HIN-505**

**पाठ्यक्रम का शीर्षक: पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र**

**श्रेयांक: 04 (60)**

**शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित** | • पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र का सामान्य परिचयात्मक ज्ञान अपेक्षित है। | **घंटे** |
| **उद्देश्य** | • पाश्चात्त्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत कराना।<br>• पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो का अध्ययन कराना।<br>• 21वीं सदी के पाश्चात्त्य काव्यचिंतन से परिचित कराना।<br>• काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्राप्त कराना। | |
| **पाठ्य विषय** | **1. पाश्चात्त्य काव्यचिंतन का उद्भव एवं विकास**<br>(प्राचीन यूनानी काव्यचिंतन से 21वीं सदी तक का क्रमिक विकास) | **12** |
| | **2. प्रमुख पाश्चात्त्य चिंतकों के सिद्धांत**<br>1) **प्लेटो:** काव्यप्रेरणा, अनुकरण, प्रत्ययवाद<br>2) **अरस्तू:** अनुकरण, त्रासदी, विरेचन<br>3) **लोंजाइनस:** उदात्तता<br>4) **कॉलरिज, वड्र्सवर्थ:** स्वच्छंदतावाद<br>5) **मैथ्यू आर्नल्ड:** कला और नैतिकता, आलोचना सिद्धांत<br>6) **क्रोचे:** अभिव्यंजनावाद<br>7) **आई० ए० रिचड्र्स:** मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत, अर्थ मीमांसा<br>8) **टी० एस० इलियट:** निर्वैयक्तिकता, वस्तुनिष्ठ सादृष्य, संवेदनशीलता का असाहचर्य | <br>**06**<br>**06**<br>**06**<br>**06**<br>**06**<br>**06**<br>**06**<br>**06** |
| **अध्यापन विधि** | व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण। | |

| | | |
|---|---|---|
| **संदर्भ ग्रंथ सूची** | 1) गुप्त, गणपतिचंद्र. भारतीय एवं पाश्चात्त्य काव्य सिद्धांत. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009<br>2) जैन, निर्मला. पाश्चात्त्य साहित्य चिंतन. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1990<br>3) जैन, निर्मला, बाँठिया .कुसुम पाश्चात्त्य साहित्य चिंतन. राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009<br>4) बाली, तारकनाथ. पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2010<br>5) मिश्र, डॉ॰ सभापति. भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्त्य साहित्य-चिंतन. जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007<br>6) मिश्र, डॉ॰ भगीरथ. पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी, 2016<br>7) मिश्र, सत्यदेव. पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2021<br>8) शर्मा, कृष्णलाल. यूनानी रोमी काव्यशास्त्र में उत्तर आभिजात्य चिंतनधारा. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015<br>9) शर्मा, देवेंद्रनाथ. पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2016<br>10) सिंह, विजय बहादुर. पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र. अपरा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016<br>11) Barry, Peter. Beginning Theory: An Introduction to Literary and Cultural Theory. Manchester University Press, 2002<br>12) Bennett, Andrew, wand Nicholas Royale. An Introduction to Literature, Criticism and Theory. Pearson Education Limited, 2009<br>13) Habib, M.A.R. Literary Criticism from Plato to the Present: An Introduction. Wiley-Blackwell, United Kingdom, 2011<br>14) Tilak, Dr. Raghukul. History and Principles of Literary Criticism. Rama Brothers, 2002 | |
| **अधिगम परिणाम** | • पाश्चात्त्य काव्यचिंतन की परंपरा से अवगत होंगे। | |

| | | |
|---|---|---|
| | • पाश्चात्त्य काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतो से परिचित होंगे।<br>• 21वीं सदी के पाश्चात्त्य काव्यचिंतन से परिचित होंगे।<br>• काव्य-सिद्धांतों के ज्ञान के आधार पर साहित्यिक कृतियों के अध्ययन एवं आस्वादन के लिए आलोचनात्मक दृष्टि प्रदान होगी। | |